

# ★ पेड़-पौधा का महत्व एवं संरक्षण ★

Bichakra  
Biswas

हमारे जीवन में पेड़-पौधों का बहुत महत्व है। इसलिए हम प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। आदिकाल से प्राकृति और मनुष्य का सम्बन्ध रहा है। मानव ने प्राकृति को गीद में जन्म लिया है। प्राकृति को मद्दत से हम फल और वृक्ष हुए हैं। प्राकृति हमारा रक्षा ला है। आदिकाल से मानव ने वृक्ष के माठे-माठे फल खाए और उसके छाल से अपने तन को ढाका है। वृक्ष मनुष्य को तन गर्मी और वारिश से बचाया। अतः से पेड़-पौधे और मनुष्य का सम्बन्ध रहा है। हमारे जीवन में पेड़-पौधे का मुख्य भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बनडाइऑक्साइड लेकर ऑक्सीजन छोड़ते हैं जो हमारे जीवन के लिए बहुत आवश्यक है। जिसे हम साँस के रूप में लेते हैं। जिसके बिना हम जीवित नहीं रह सकते हैं। प्राकृति ने हमें जिन्दगी दी है।

“ पेड़-पौधा है जीवन देने वाला  
बनना है हमको उनके रखवाले ”

जैसे-जैसे सभ्यता बढ़ती गई जनसंख्या बढ़ गई, वृक्षों का उपयोगिता भी बढ़ती गई। मनुष्य ने धीरे-धीरे लकड़ी का प्रयोग करना भी शुरु किया। वह मकान झोपड़ियाँ, कारखाने, सेबन, मेज तथा कुर्सी बनाने के लिए लकड़ी का प्रयोग करते हैं। वह सिक लकड़ी ही प्रयोग नहीं करते बल्कि वृक्ष से बहुत और प्रकार के औषधियाँ भी प्राप्त करते हैं। वृक्ष जड़ी-बूटियों का खान है। वृक्ष के छाल और पत्तियाँ भी जड़ी-बूटी का काम देती हैं। वृक्ष अर्थात् पेड़ पौधे केवल अपनी लकड़ी और फल, फूल प्रदान नहीं करते हैं। बल्कि वह पृथ्वी को वातावरण को भी संतुलित बनाए रखते हैं। पृथ्वी को हरा-भरा वह सुन्दर रूप देती हैं।